समाचार

जल प्रबंधन कार्यो में महापौर व आयुक्त को मिली सराहना

(भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव डी. तारा ने वीडियो काफ्रेंसिंग के माध्यम से की कार्यो की समीक्षा, नगर निगम कोरबा के कार्यो की प्रशंसा की)

कोरबा 20 जुलाई 2026 – जल प्रबंधन, वाटर हार्वेस्टिंग व रिचार्ज वेल के निर्माण तथा '' कैच द रैन '' प्रोजेक्ट के प्रभावी कियान्वयन के लिये भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव डी.तारा ने महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत व आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय की सराहना करते हुये उन्हें बधाई दी तथा इस दिशा में नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा किये जा रहे कार्यो व प्राप्त परिणामों पर संतुष्टि जाहिर करते हुये कार्यो की प्रशंसा की।

यहॉ उल्लेखनीय है कि अमृत मिशन 2.0 अंतर्गत संचालित सेलो एक्यूफायर मेनेजमेंट के तहत '' कैच द रैन '' प्रोजेक्ट हेतु प्रथम चरण में देश के निर्धारित मानदण्डों वालों 75 शहरों में 10 शहरों का चयन किया गया था, जिसमें छत्तीसगढ़ से कोरबा शहर भी शामिल था। आज भारत

सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव डी.तारा ने प्रोजेक्ट की कार्यप्रगति एवं प्राप्त परिणामों के साथ–साथ जल प्रबंधन, वाटर हार्वेस्टिंग से जुड़े कार्यो की वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से समीक्षा की, निगम के पं.जवाहरलाल नेहरू सभागार में आयोजित वीडियो कांफ्रेसिंग समीक्षा बैठक के दौरान महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय, सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर के साथ–साथ निगम की मेयर इन काउंसिल के सदस्यगण, पार्षदगण व एल्डरमेनगण उपस्थित थे। समीक्षा बैठक के दौरान महापौर श्रीमती राजपूत एवं आयुक्त श्री पाण्डेय ने जानकारी देते हुये बताया कि सेलो एक्यूफायर मेनेजमेंट के तहत 10 पृथक–पृथक स्थानों पर निगम द्वारा रिचार्ज वेल का निर्माण कराया गया है, इंजेक्ट वेल पद्धति अनुरूप नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर इसरो के तकनीकी विशेषज्ञों के परामर्श अनुसार वृहद एवं भारी वर्षा के दौरान वर्षा जल का सड़क एवं नालियों पर होने वाले ऊपरी बहाव को रिचार्ज वेल के माध्यम से पुनर्भरण किये जाने की कार्ययोजना को भी पूर्ण किया जा चुका है। उन्होने बताया कि यह कार्य योजना वर्षा जल के अत्यधिक बहाव को नालियों व नालों के माध्यम से नदियों में विसर्जित होने से रोकने के लिये लाभदायी सिद्ध हो रही है, जो कि '' कैच द रैन '' का महत्वपूर्ण उद्देश्य है, इसका लाभ भूजल स्तर के उन्नयन में प्राप्त हो रहा है। बैठक के दौरान अतिरिक्त सचिव डी.तारा ने निगम द्वारा किये जा रहे कार्यो व प्राप्त परिणामों की समीक्षा करते हुये निगम के कार्यो की सराहना की तथा महापौर श्रीमती राजपूत व आयुक्त श्री पाण्डेय द्वारा इस दिशा में किये जा रहे कार्यो की प्रशंसा करते हुये उन्हें बधाई दी।

निगम क्षेत्र में 1728 रैन वाटर हार्वेस्टिंग पिट – महापौर एवं आयुक्त ने बैठक में बताया कि नगर पालिक निगम कोरबा एवं अन्य शासकीय भवनों में 757 रैन वाटर हार्वेस्टिंग पिट एवं निजी भवनों में 971 कुल 1728 नग रैनवाटर हार्वेस्टिंग पिट की स्थापना का कार्य कराया गया है। नगर पालिक निगम कोरबा के भवन अनुज्ञा विभाग द्वारा जारी किये जाने वाले भवन निर्माण अनुमति पत्र में रैनवाटर हार्वेस्टिंग का अनिवार्य प्रावधान भी किया गया हैं।

सभी नवीन भवनों में हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य – महापौर एवं आयुक्त ने बताया कि निगम क्षेत्रांतर्गत होने वाले विभिन्न विकास कार्यो यथा सामुदायिक भवन, विद्यालय में अतिरिक्त भवन, आंगनबाड़ी भवन, मंगल भवन सहित अन्य सार्वजनिक उपयोग के भवनों के निर्माण हेतु यदि नगर पालिक निगम कोरबा कार्य एंजेसी होती है, तो समस्त कार्ययोजनाओं में अनिवार्य रूप से रैनवाटर हार्वेस्टिंग पिट तैयार किये जाने का प्रावधान सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी प्रकार निगम क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न स्थानों में स्थित अनुपयोगी, क्षतिग्रस्त एवं कोलेप्स 95 नग बोर का चिन्हांकन करते हुये रिड्रीलिंग कार्ययोजना तैयार की गई है, जिससे कि उक्त अनुपयोगी बोर को रिचार्ज पिट के रूप में उपयोग किया जा सके।

जल प्रबंधन व दूषित जल के पुनर्उपयोग पर कार्य – महापौर एवं आयुक्त ने बताया कि शहर के 11 बड़े नालों से उत्सर्जित गंदे पानी का शुद्धिकरण कर उसके पुनः उपयोग हेतु 33 एमएलडी क्षमता का सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाया जा रहा है, चूंकि इस जल को एनटीपीसी को उपयोग हेतु विक्रय किया जायेगा, अतः एनटीपीसी के मानकों के अनुरूप जल का पुनः शुद्धिकरण सुनिश्चित करने के लिये 20 एमएलडी क्षमता का टर्शरी ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण भी किया जा रहा है, जिसकी कार्यप्रक्रिया प्रगति पर है।